

11/7/24

आज यह पत्रावली पेश हुई। वकूलाय ने रि  
 श्री उपर नहीं है। वादी व वादी के  
 वकील में बार-बार आवास लगाए  
 किन्तु वे उपर नहीं है। वादी ना ही तबकी  
 प्रातिवादी हेतु रखवाना प्रस्तुत कर रहे हैं।  
 जिससे वादी की उम्ह वाद को आगे  
 चलाने की खाति उम्ह नहीं र लि है। अनावादी का  
 वाद 09/05 के अर्थि किया जाता है। पत्रावली पर  
 शुका होकर नम्र लम्ब नेच 2॥ जिला ? फता है।



डा. राजेश अधिकारी

बहरोड़ (कोटपुतली-बहरोड़)